



ओल्गा टेलसि वाद 1985

प्रलिस के लयल:

सर्वोच्च न्यायालय, ओल्गा टेलसि बनाम बॉम्बे नगर नगल (1985), फुटपाथ पर रहने वालों के जीवन का अधकलर, अतकलरमण रोधी पूरव स्वीकृती

मेन्स के लयल:

जीवन का अधकलर, नरलणय और मामले, न्यायपालकल

चरचा में क्यो?

हाल ही में ओल्गा टेलसि बनाम बॉम्बे नगर नगल 1985 के मामले में [सर्वोच्च न्यायालय](#) की संवधलन पीठ के फैसले में कहा गया कल जहाँगीरपुरी (दलली) मामले में फुटपाथ के नवलसी, आतकलरमणकारयों से भनलन हैं, जो आगामी नरलणयों में एक महत्त्वपूरण भूमकल नभल सकते हैं ।

सर्वोच्च न्यायालय के समकष उठाए गए प्रश्न:

- **पृष्ठभूमल:** यह मामला 1981 में तब शुरू हुआ जब महाराष्ट्र राज्य और बॉम्बे नगर नगल ने फैसला कयल कल बॉम्बे शहर में फुटपाथ एवं झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को बेदखल कयल जाना चाहयल तथा उन्हें "उनके मूल स्थान या बॉम्बे शहर के बाहर के क्षेत्रों पर नरलवासलत कयल जाना चाहयल ।"
- **फुटपाथ पर रहने वालों के जीवन के अधकलर का प्रश्न:** एक मुख्य प्रश्न यह था कलक्यल फुटपाथ पर रहने वाले को बेदखल करना [संवधलन के अनुच्छेद 21](#) के तहत उनके गारंटीशुदा आजीवकल के अधकलर से वंचतल करना होगा ।
 - अनुच्छेद 21 के अनुसार, "कानून द्वारा स्थापतल प्रकुरयल के अलावा कसलसी भी वयकृतको उसके जीवन या वयकृतगत स्वतंत्रता से वंचतल नही कयल जाएगा" ।
 - भारत में लगभग दो करोड़ लोग फुटपाथ पर रहने वालों में शामिल हैं ।
- **अतकलरमण हटाने के लयल पूरव स्वीकृती का प्रश्न:** संवधलन पीठ को यह नरलधारतल करने के लयल भी कहा गया था कलक्यल बॉम्बे नगर नगल अधनलयल, 1888 में शामिल प्रावधान, मनमाने और अनुचतल तथा बनल कसलसी पूरव सूचना के अतकलरमण हटाने की अनुमतल प्रदान करते हैं ।
- **अतकलरमण पर प्रश्न:** सर्वोच्च न्यायालय ने इस सवाल की जाँच करने का भी नरलणय लयल कलक्यल फुटपाथ पर रहने वालों को अतचलरयों (Trespassers) के रूप में चहनलतल करना संवधानकल रूप से अनुचतल होगा ।

ओल्गा टेलसि बनाम बॉम्बे नगर नगल, 1985 मामले में सर्वोच्च न्यायालय का नरलणय:

- ओल्गा टेलसि बनाम बॉम्बे नगर नगल नरलणय 1985, (*Olga Tellis vs Bombay Municipal Corporation judgment in 1985*) में न्यायालय ने नरलणय दयल कल फुटपाथ पर रहने वालों को बनल त्रक के बल प्रयोग कर तथा उन्हें समझाने का मौका दयल बनल बेदखल करना असंवधानकल है ।
 - यह उनके आजीवकल के अधकलर (Right to Livelihood) का उल्लंघन है ।
- न्यायालय ने फुटपाथ पर रहने वालों को केवल आतकलरमणकारी मानने वाले प्राधकलरयों पर कड़ी आपत्तल जतलई थी ।
 - "वे (फुटपाथ पर रहने वाले) नहलयत खराब आर्थकल स्थतल के कारण ज़यादातर गंदी या दलदली जगहों पर रहने की जगह ढूँढ लेते हैं ।

राज्य सरकार का बचाव:

- **वर्बलधन (Estoppel) का प्रश्न:** राज्य सरकार और नगल ने वरलोध कयल कल फुटपाथ पर रहने वालों को रोका जाना चाहयल ।
 - वर्बलधन (Estoppel) एक न्यायकल उपकरण है जसके द्वारा एक अदालत कसलसी वयकृतको दावा करने से 'रोक' सकती है ।
 - वर्बलधन कसलसी को यह दावा करने से रोक सकता है कल फुटपाथ पर उसके द्वारा बनाई गई झोपड़ी को उसके आजीवकल के अधकलर के कारण धवस्त नही कयल जा सकता है ।
- **सार्वजनकल रास्ते का अधकलर:** वे फुटपाथ या सार्वजनकल सड़कों पर अतकलरमण करने और झोपड़यों को बनाने के कसलसी भी [मौलक अधकलर](#) का दावा नही कर सकते हैं क्योंकल लोगों को उन रास्तों पर आवाजाही का अधकलर है ।

सर्वोच्च न्यायालय का हालिया नरिणयः

- **वर्बिधन परः** अदालत ने वर्बिधन के सरकार के तरूक को यह कहते हुए खारजि कर दिया कि "संवधिान के खलिाफ कोई वर्बिधन नहीं हो सकता ।" .
 - कोरूट ने कहा कि फूटपाथ पर रहने वालों के जीवन का अधकिार दौंव पर लगा है ।
- **आजीवकिा के अधकिार परः** आजीवकिा का अधकिार जीवन के अधकिार का एक "अभनिन घटक" है ।
 - यदि आजीवकिा के अधकिार को जीने के संवैधानकि अधकिार के हसिसे के रूप में नहीं माना जाता है, तो कसिी वयकूतकिा को उसके जीवन के अधकिार से वंचति करने का सबसे आसान तरीका यह होगा कि उसे उसकी आजीवकिा के साधन से वंचति कर दिया जाए ।
- **पूरव सूचना परः दूसरे प्रश्न कि कय्या वैधानकि प्राधकिारयिों को बनिा पूरव सूचना के अतकिरमण हटाने की अनुमति देने वाले कानून के प्रावधान मनमाना थे ।**
 - ऐसे अधकिारों को 'अपवाद' के रूप में संचालति करने के लयि ज़िाइन कयिा गया है, न कि "सामान्य नयिम" की भाँति ।
 - बेदखली की प्रकूरयिा प्रकूरयिात्मक सुरकूषा उपायों के पकूष में होनी चाहयि जो न्याय के प्राकूृतकि सदिधांतों का पालन करती हो जैसे- दूसरे पकूष को सुनवाई का अवसर देना ।
 - सुनवाई का अधकिार पीड़ति वयकूतयिों को नरिणय लेने की प्रकूरयिा में भाग लेने और गरमिा के साथ अपनी बात रखने का अवसर प्रदान करता है ।
- **अतचिारः** अदालत ने फूटपाथ पर रहने वाले लोगों को अतचिारी मानने वाले अधकिारयिों पर कड़ी आपतूतजिताई है ।
 - शीरूष अदालत ने फैसला सुनाया कि फूटपाथ पर रहने वाले लोग "बेहद बेबसी से गंदे फूटपाथों" पर रहते हैं, न कि कसिी को अपमानति करने, डराने या परेशान करने के उददेश्य से ।
 - वे फूटपाथ पर रहते हैं और कमाते हैं कयोंकि उनके पास "शहर में देखभाल के छोटे-छोटे काम हैं और रहने के लयि कोई घर नहीं है ।"

वगित वर्षों के प्रश्नः

प्रश्नः भारत के संवधिान का कौन सा अनुचूछेद अपनी पसंद के वयकूतसे शादी करने की सुरकूषा का अधकिार प्रदान करता है? (2019)

- (a) अनुचूछेद 19
- (b) अनुचूछेद 21
- (c) अनुचूछेद 25
- (d) अनुचूछेद 29

उत्तरः (b)

व्याख्याः

- वविाह का अधकिार भारत के संवधिान के अनुचूछेद 21 के तहत जीवन के अधकिार का एक घटक है जसिमें कहा गया है कि "कानून द्वारा स्थापति प्रकूरयिा के अनुसार कसिी भी वयकूतकिा को उसके जीवन और वयकूतगित स्वतंत्रता से वंचति नहीं कयिा जाएगा" ।

सू्रोत- द हदिू